शुक्रवार
28 अप्रैल, 2023
डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स
आपकी आवाज

बड़ी कार्रवाई... 15 कृषि समन्वयकों का वेतन बंद, अब निलंबन की तैयारी 3

प्रमुख खबरें : पटना ■ भोजपुर ■ बक्सर ■ रोहतास ■ पूर्वांचल ■ मिथिलांचल ■ विविध ■ खेल ■ आर्थिक

गोपालगंज के तत्कालीन डीएम जी कृष्णैया की हत्या के मामले में काट रहे थे आजीवन कारावास की सजा

आनंद मोहन जेल से रिहा, गरमाई सियासत

बाहुबली की रिहाई
बिहार में घमासान

- पूर्व सांसद व बाहुबली की रिहाई के लिए बिहार सरकार को जेल नियमावली में करना पड़ा बदलाव, इसकी हो रही आलोचना
- हत्या मामले में आनंद को निचली अदालत ने 2007 में मौत की सजा सुनाई थी। 2008 में पटना हाईकोर्ट ने सजा को उम्रकैद में बदला

केटी न्यूज/पटना

पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन को गुरुवार को तड़के 4.30 बजे जेल से रिहा कर दिया गया। बिहार सरकार को जेल नियमावली में बदलाव करने और गैंगस्टर से राजनेता बने आनंद मोहन की रिहाई का रास्ता साफ करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। आनंद मोहन सिंह युवा आईएएस अधिकारी और गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। आनंद मोहन की तरफ से कथित रूप से उकसाई गई भीड़ ने कृष्णैया की हत्या कर दी थी। उन्हें उनकी सरकारी कार से बाहर खींच लिया गया और पीटने के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में आनंद को निचली अदालत ने 2007 में मौत की सजा सुनाई थी। एक साल बाद 2008 में पटना हाईकोर्ट ने सजा को उम्रकैद में बदल दिया था।

आनंद मोहन ने तब फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन अभी तक कोई राहत नहीं मिली है और वह सहरसा जेल में थे। उनकी पत्नी लवली आनंद भी लोकसभा सांसद रह चुकी हैं, जबकि उनके बेटे चेतन आनंद शिवहर से आरजेडी के विधायक हैं। अपनी रिहाई पर हंगामे का जवाब देते हुए सिंह ने बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि बिलकिस बानो मामले के दोषियों को भी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दबाव में रिहा किया गया था। सिंह इससे पहले अपने विधायक पुत्र चेतन आनंद की सगाई समारोह में शामिल होने के लिए 15 दिन की पैरोल पर आए थे। वह पैरोल की अवधि पूरी होने के बाद 26 अप्रैल को सहरसा जेल लौटे थे और 27 अप्रैल को उनकी रिहाई हो गई।

आनंद मोहन की रिहाई को चुनौती, पीआईएल दायर

एक पूर्व आईएएस अधिकारी अनुपम कुमार सुमन ने जेल मैनुअल में किए गए संसोधन के जरिए हुई आनंद मोहन की रिहाई को चुनौती देते हुए पटना हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। उन्होंने ट्वीट किया, मैंने कल माननीय उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की है, जिसमें बिहार में हुए खतरनाक जेल मैनुअल संशोधन को चुनौती दी गई है। इससे एक सरकारी कर्मचारी की हत्या के दोषी को छूट दी गई है। मुझे उम्मीद है कि न्याय होगा और कानून का राज स्थापित होगा। अनुपम कुमार सुमन गुजरात कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे हैं। उनको बिहार में विशेष अनुरोध पर तैनात किया गया था। एक समय में वो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेहद करीबियों में शुमार थे। इस दौरान वो बिहार सरकार में अलग-अलग टॉप पोस्ट पर भी तैनात रहे थे।

डीएम कृष्णैया की बेटी पदमा कृष्णैया ने जताया एतराज

आनंद मोहन सिंह की जेल से रिहाई को लेकर डीएम कृष्णैया की बेटी पदमा कृष्णैया ने एतराज जताया है। उन्होंने इसे लेकर पीएम मोदी और बिहार के सीएम से भावुक अपील की है। पदमा ने पीएम से कहा, मेरी पीएम नरेंद्र मोदी से अपील है कि ऐसे शख्स की समाज में वापसी न हो, क्योंकि मेरे पास इनसे लड़ाई करने की शक्ति नहीं है। कोई ऐसा कानून बनाएं कि ऐसे गैंगस्टर और माफिया बिहार या फिर किसी राज्य में इस तरह से न घूम सके। फिर से विचार करें। पदमा ने कहा कि आप मेरे पिता के बारे में नहीं जानते तो बिहार के लोगों से पूछिए। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बेहद दुख की बात है कि आनंद मोहन को जेल से छोड़ दिया गया। सरकार को इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से अनुरोध करती हूं कि इस फैसले पर दोबारा सोचें।

ओवैसी बोले... ये दूसरी बार कृष्णैया की हत्या है

एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये दूसरी बार कृष्णैया की हत्या है। उन्होंने कहा कि 5 दिसंबर 1994 को एक दलित आईएएस की हत्या की गई, जब वह महज 37 साल का था। आखिर अब कौन सा आईएएस अधिकारी बिहार में जान जोखिम में डालेगा। कृष्णैया ने मजदूरी कर पढ़ाई की थी। उन्होंने कहा कि वह कृष्णैया के परिवार के साथ हैं और ये भी उम्मीद करते हैं कि एक बार फिर इस मामले को लेकर सोचा जाएगा। उन्होंने पूछा कि क्या एक बार फिर बिहार में सनलाइट या रणवीर सेना आने वाली है क्या? ऐसे कदम केवल सियासी फायदे के लिए उठाए जा रहे हैं।

चिराग पासवान ने सीएम नीतीश पर बोला हमला

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने आनंद मोहन की रिहाई को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार अपने राजनीतिक फायदों के लिए कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं, वे अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए अपने हिसाब से कानून को बदल रहे हैं जिसका उदाहरण है आनंद मोहन की रिहाई है। उन्होंने कहा कि दोषी को कानून में फेरबदल कर इस तरीके से रिहा कर कर देना, यह उचित नहीं है। उस परिवार पर क्या बीत रही होगी, जिसने अपनों को खोया है।

सुशील मोदी बोले... सरकार मुस्लिम-यादव समीकरण के दुर्दांत अपराधियों पर मेहरबान

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने भी नीतीश सरकार पर हमला बोला। मोदी ने कहा कि आनंद मोहन के बहाने सरकार मुस्लिम-यादव समीकरण के दुर्दांत अपराधियों पर मेहरबान है। जघन्य मामलों में सजायाफ्ता बंदियों की रिहाई असांविधानिक है।

आनंद को बलि का बकरा बनाया गया था: गिरिराज

केंद्रीय नेतृत्व के रुख के उलट केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आनंद मोहन को बेचारा बताया। उन्होंने कहा कि बेचारे आनंद मोहन लंबे समय तक जेल में रहे, उन्हें बलि का बकरा बनाया गया था। जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि उन्हें जानबूझ कर षड्यंत्र का शिकार बनाया गया था। अब राज्य सरकार को प्रायश्चित करते हुए सीएम नीतीश कुमार और लालू प्रसाद को माफी मांगनी चाहिए।

आईएएस एसोसिएशन ने कहा रिहाई का फैसला सही नहीं

आनंद मोहन को रिहा किए जाने के फैसले पर आईएएस एसोसिएशन ने बिहार सरकार की निंदा करते हुए कहा कि यह फैसला सही नहीं है। आईएएस एसोसिएशन ने ट्वीट किया कि आनंद मोहन को रिहा किए जाने का फैसला बहुत ही निराश करने वाला है। उन्होंने (आनंद मोहन) जी. कृष्णैया की नृशंस हत्या की थी। ऐसे में यह दुखद है। बिहार सरकार जल्दी से जल्दी फैसला वापस ले। ऐसा नहीं होता है तो यह न्याय से वंचित करने के समान है।

दानापुर में हार्डवेयर व्यापारी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

केटी न्यूज/पटना

दानापुर के रूपसपुर में अपराधियों ने गुरुवार को एक व्यापारी को गोलियों से भून डाला। बताया जा रहा है कि इस घटना में व्यापारी की मौत घटनास्थल पर ही हो गई । घटना की सूचना के बाद पूरे इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने इसकी सूचना रूपसपुर थाने को दी। घटना की जानकारी देते हुए रूपसपुर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह अज्ञात अपराधियों द्वारा हार्डवेयर व्यापारी रंजन कुमार को गोलियों से भून डाला। उन्होंने बताया कि घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए दानापुर अनुमंडल अस्पताल भेज दी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि परिवार के लोगों से बातचीत करने के बाद यह बातें सामने आई है कि रंजन कुमार का आपसी पारिवारिक विवाद चल रहा था। पुलिस ने आशंका जताई है कि इसी आपसी पारिवारिक रंजिश को लेकर रंजन कुमार की हत्या को अंजाम अपराधियों ने दिया है। आसपास के लोगों का यह मानना है कि रंजन कुमार सीमेंट छड़ के छोटे-मोटे व्यापार किया करते थे।

मोतिहारी में चिमनी कारोबारी के घर 50 लाख की डकैती

केटी न्यूज/पटना

मोतिहारी में इन दिनों डकैती की एक-के-बाद एक घटनाएं हो रही हैं। लगातार हो रही डकैती को रोकने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह फेल नजर आ रहा है। ताजा मामला भेलाही और घोड़ासहन के श्रीपुर का है। यहां डकैतों ने डकैती की घटना को अंजाम दिया है। भेलाही में चिमनी कारोबारी धनंजय प्रसाद गुप्ता के घर से नगद और आभूषण समेत करीब 50 लाख की लूट की। इस दौरान भेलाही पुलिस और डाकुओं के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें पुलिस ने 8 से 10 राउंड फायरिंग की गई। वहीं डकैतों ने कई बम फोड़े। जिसमें बम से दो ग्रामीण महावीर कुमार और बाल्मीकि प्रसाद जख्मी हो गए। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद डकैत फरार हो गए।

घटनास्थल के नेपाल बॉर्डर से करीब 1 किलोमीटर दूर होने के कारण डकैतों के नेपाल फरार होने की आशंका जताई जा रही है। डकैतों की संख्या करीब 50 बतायी जा रही है। सभी ने हॉफ पैंट पहन रखा था। सूचना मिलते ही एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने घटना का जायजा लिया। वहीं सुबह में डीएसपी धीरेंद्र कुमार व इंस्पेक्टर ने मामले की छानबीन की। इस दौरान सरेह में गैस कटर आदि बरामद किया गया है।

इधर, घोड़ासहन के श्रीपुर पंचायत के राजू बैठा के घर से करीब 8 लाख की लूट हुई है। उनकी पत्नी पिंकी कुमारी वार्ड सदस्य हैं। बीते एक सप्ताह में जिले में पांच डकैती की घटनाएं हो चुकी हैं। इस मामले में पुलिस के हाथ खाली हैं।

राजद सुप्रीमो लालू यादव से अखिलेश यादव ने की भेंट

एजेंसी/नई दिल्ली

राजद सुप्रीमो लालू यादव से गुरुवार को समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने दिल्ली में मुलाकात की। उन्होंने लालू यादव के साथ अपनी मुलाकात की फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा- आदरणीय लालू जी से एक कुशलक्षेम-मुलाकात। लालू यादव लंबे अरसे स्वास्थ्य लाभ के तहत दिल्ली में रह रहे हैं। ऐसे में अचानक से अखिलेश यादव की लालू से हुई मुलाकात के पीछे कुछ राजनीतिक कारणों की भी बातें हो रही हैं। 24 अप्रैल को बिहार के सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। सभी ने एक सुर में कहा था कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्ष को एकजुट होना चाहिए।

सीबीएसई सीटेट जुलाई 2023 की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सीटेट जुलाई 2023 की रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। जो उम्मीदवार केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा के जुलाई सत्र में शामिल होना चाहते हैं वे सीबीएसई सीटीईटी की आधिकारिक साइट ctet.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 26 मई, फीस सब्मिट करने की अंतिम तिथि 27 मई 2023 है। सीबीएसई सीटेट जुलाई सत्र का आयोजन जुलाई से अगस्त के बीच किया जाएगा। आधिकारिक वेबसाइट ctet.nic.in पर एप्लाई फॉर सीटीईटी जुलाई 2023 के नाम से लिंक वेबसाइट पर दिखने लगा है। इस पर क्लिक करने पर सीटीईटी जुलाई 2023 का रजिस्ट्रेशन पेज खुल रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पीएम मोदी को जहरीला सांप बताया

एजेंसी/नई दिल्ली

कर्नाटक के कलबुर्गी में एक जनसभा को संबोधित करने के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को लेकर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने पहले पीएम मोदी को अच्छा इंसान बताया फिर कहा कि पीएम मोदी जहरीले सांप की तरह हैं। आप सोच सकते हैं कि यह जहर है या नहीं। यदि आप इसके संपर्क में आते हैं तो आपकी जान चली जाएगी। हालांकि, खड़गे ने इस पर सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी के लिए नहीं बोल रहा था। मेरा मतलब था कि बीजेपी की विचारधारा सांप की तरह है। मैंने पीएम मोदी के लिए व्यक्तिगत रूप से यह कभी नहीं कहा। मैंने जो कहा था कि उनकी विचारधारा सांप की तरह है और यदि आप इसे छूने की कोशिश करते हैं, तो आपकी मृत्यु निश्चित है।

मामले में जब विवाद बढ़ता चला गया तो खड़गे ने ट्विटर के जरिए भी स्पष्टीकरण दिया और माफी भी मांगी। खरगे ने कहा कि बीजेपी की विचारधारा विभाजनकारी, वैमनस्यपूर्ण और गरीबों व दलितों के प्रति नफरत व पूर्वाग्रह से भरी है। मैंने इसी नफरत व द्वेष की राजनीति की चर्चा की। मेरा बयान न व्यक्तिगत तौर से प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए था, ना किसी और व्यक्ति विशेष के लिए। प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारी लड़ाई निजी लड़ाई नहीं है। वैचारिक लड़ाई है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को देखते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की उच्चस्तरीय बैठक

राजौरी और पुंछ में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने का निर्देश

एजेंसी/जम्मू-कश्मीर

जम्मू सचिवालय में जम्मू- कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सुरक्षा बलों को राजौरी और पुंछ में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे थे। इन अधिकारियों ने एलजी सिन्हा को इस मामले के सभी पहलुओं अवगत कराया।

सूत्रों ने बताया है कि इस बैठक में एलजी मनोज सिन्हा ने सुरक्षाबलों को कड़ी हिदायत दी। इसके साथ ही उन्होंने राजौरी और पुंछ में आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने को कहा। सुरक्षाबलों की मानें तो कश्मीर घाटी में मई महीने में होने वाली जी-20 की बैठक से हताश आतंकियों ने इस हमले को अंजाम दिया है।

आतंकियों को दबोचने के लिए सेना का सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू के पुंछ जिले में आतंकियों के सेना के एक वाहन पर हमला बनाए जाने के करीब 1 सप्ताह हो गया है। आतंकियों को दबोचने के लिए सुरक्षाबल पुरजोर कोशिश जारी है। दरअसल बीते गुरुवार को आतंकियों ने जम्मू के पुंछ जिले में सेना के एक वाहन पर घात लगाकर हमला किया था। इसमें सेना के 5 जवान शहीद हो गए। इस हमले के बाद पुंछ के भट्ठा दूरियां के जंगलों में आतंकियों को तलाश करने के लिए व्यापक सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भाटा धूरियन के घने जंगल क्षेत्र में हमले में बाल-बाल बचे जवानों से बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि इस हमले के लिए जवाबदेह आतंकवादियों को पकड़ने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

सुरक्षा बल जहां एक तरफ पुंछ के जंगलों में आतंकियों की तलाश में व्यापक सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। वहीं, इस मामले में अब- तक करीब 2 दर्जन लोगों को हिरासत में लिया गया है। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने या तो आतंकियों को खाना खिलाया या फिर किसी न किसी तरीके से उनकी मदद की। इन लोगों से पूछताछ का दौर जारी है।

खबरें फटाफट

बिजली की चोरी में छह पर प्राथमिकी दर्ज

जहानाबाद। बिजली विभाग के द्वारा पूरे जिले बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ में लगातार सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। फिर भी लोग बिजली चोरी करने से बाज नहीं आ रहें है! इस कड़ी में मीटर बाइपास कर चोरी से बिजली का उपयोग करने वाले के खिलाफ गठित छापेमारी दल ने बिजली चोरी करते हुए छः लोगो को पकड़ा है। जानकारी देते हुए विद्युत कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि कनीय विधुत अभियंता अनिल कुमार एवं शिव कुमार प्रसाद के नेतृत्व में जिले के खत्री टोला, विशुनपुर, गया बिगहा, प्रिजपुरा आदि जगहों पर मीटर जांच अभियान चलाया गया। जहां बिजली चोरी करते हुए छह लोग पकड़े गये। पकड़े गये लोगो में राजेंद्र साव पर 105871 रुपए, राकेश कुमार पर 43190 रुपए, ललन गिरी पर 39925 रुपए, चिंता देवी पर 41726 रुपए, लक्ष्मण कुमार पर 31134 रुपए एवं किशोर यादव पर 23122 रुपए का आर्थिक जुमार्ना लगाते हुए सम्बंधित थाना में प्राथिमिकी दर्ज कराई गई है।

शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

जहानाबाद। थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर फतेहपुर गांव के समीप छापेमारी के 8 लीटर शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। साथ ही शराब ले जा रहे मोटरसाइकिल को भी जप्त कर लिया है। जानकारी देते हुए थाना अध्यक्ष रवि भूषण ने बताया कि गुप्त सूचना मिली के एक युवक मोटरसाइकिल से शराब ले जा रहा है। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फतेहपुर के समीप छापेमारी कर युवक को गिरफ्तार कर लिया और मोटरसाइकिल को जप्त किया है। वही गिरफ्तार युवक टेहटा निवासी रईस मांझी बताया जा रहा है। जिसे जेल भेज दिया गया है।

निश्चय मित्र योजना के तहत टीबी मरीजों के बीच पौष्टिक फूड बास्केट का वितरण

केटी न्यूज/सासाराम

❐ जिला यक्ष्मा केंद्र में व करगहर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 14 जरूरतमंद टीबी मरीजों को बांटी गयी खाद्य सामग्री

सदर अस्पताल स्थित जिला यक्ष्मा केंद्र में गुरुवार को टीबी पीड़ित गरीब एवं जरूरतमंद 9 मरीजों के बीच निक्षय मित्र के तहत दूसरे चरण का खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। यक्ष्मा विभाग के डॉ. कन्हाई महतो सहित डब्ल्यूएचओ के एनटीईपी कंसलटेंट डॉ. राजीव एन सेथुमाधवन, रिदम पब्लिक स्कूल के निदेशक अरविंद कुमार, वार्ड 14 के वार्ड पार्षद बृजनंदन सिंह एवं समाजसेवी गोबिंद कुमार सहित 9 लोगों ने निक्षय मित्र बनकर जिले के 14 टीबी मरीजों को गोद लिया है। इनके द्वारा लगातार 6 महीने तक उक्त टीबी मरीज को पोषण आहार के रूप में खाद्य सामग्री उपलब्ध कराये जायेंगे। इसी के तहत गुरुवार को जिला संचारी रोग पदाधिकारी डॉ. राकेश कुमार की अध्यक्षता में कुल 9 टीबी मरीजों को खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। वहीं करगहर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रभारी

चिकित्सक पदाधिकारी डॉ. दिनेश्वरा कुमार सिंह के अध्यक्षता में भी इस योजना के तहत 5 समाजसेवियों द्वारा 5 टीबी मरीजों को दूसरे चरण का खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सक ने कहा कि कोई भी व्यक्ति निक्षय मित्र बन कर जरूरतमंद एवं गरीब टीबी के मरीजों को खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकते हैं। प्रखण्ड के मौके पर चिकित्सा पदाधिकारी पिपरा स्वास्थ्य केंद्र के शहजादी खातून, सीनियर टीबी लैब सुवरवाइजर ज्ञानेंद्र कुमार, फैमिली प्लानिंग परामर्शी रुचि कुमारी के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

निक्षय मित्र एक साकारात्मक पहल: डॉ राकेश कुमार ने कहा कि यह सरकार की अच्छी पहल है। यदि टीबी पीड़ित मरीजों को गोद लिया जाए और थोड़ी सहायता की जाए तो हमलोग जिले से टीबी बीमारी को मिटाने में अहम योगदान निभा सकते हैं। सीडीओ ने कहा कि टीबी मरीजों की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो जाती है, ऐसे में दवा के साथ साथ सही पोषक मिले तो वो टीबी बीमारी से लड़ने में मदद करेगा।

खाद्य सामग्री पा कर प्रसन्न हुए टीबी मरीज: टीबी बीमारी से ग्रसित मरीजों ने निश्चय मित्र योजना के माध्यम से पौष्टिक आहार के रूप में खाद्य पदार्थ पाकर काफी प्रसन्न दिखाई दिए। करगहर प्रखंड के निरहू राम, सासाराम प्रखंड के प्रमिला देवी, कृष्णा चौधरी, शिवसागर प्रखंड के भीम दुसाद ने बताया कि योजना के तहत मिलने वाली पैष्टिक खाद्य पदार्थ से काफी फायदे हो रहे हैं, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों में कुछ ऐसे समग्री हैं जो उन्हें काफी फायदा पहुंचाता है। उन लोगों ने बताया कि रुपयों के अभाव में पौष्टिक आहार ग्रहण नहीं कर पाते हैं। परंतु लोगों के सहयोग से उन्हें इस तरह का खाद्य पदार्थ प्राप्त हो रहा है। इसके लिए उन लोगों ने सभी समाजसेवियो को धन्यवाद दिया है वही इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला यक्ष्मा केंद्र के डीईओ शेखर कुमार श्रीवास्तव, डीपीएस आदित्य आकाश, एसटीएलएस शाहिद एहसान के अलावा विभाग के सुधा कुमारी, ममता कुमारी, राहुल कुमार, अशोक कुमार, अतुल कुमार सिन्हा, संजय श्रीवास्तव, मुन्ना कुमार सिंह, भोला कुमार, आशीष श्रीवास्तव का अहम योगदान रहा।

पकड़े गए अपराधियों के पास से लूटा गया मोबाइल बरामद, दो लुटेरों की तलाश जारी

पटना-बक्सर फोरलेन पर टैंकर सवार लोगों से लूटपाट के मामले में दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

जिला मुख्यालय स्थित नगर थाना क्षेत्र के सिंगही के समीप टैंकर सवार लोगों से लूटपाट के मामले में पुलिस ने दो अपराधी गिरफ्तार किए गए हैं। जिनके पास से लूटा गया एक मोबाइल भी बरामद किया गया। गिरफ्तार अपराधियों में कोईलवर थाना क्षेत्र के सकड्डी गांव निवासी संतोष राय का पुत्र विकास कुमार और बड़हरा थाना क्षेत्र के मनिछपरा गांव निवासी श्रीदास राय का पुत्र कमलेश राय हैं। हालांकि, दोनों की गिरफ्तारी से गत दिनों बाइक लूट की एक अन्य घटना का भी खुलासा हुआ है। मामले का खुलासा एसपी प्रमोद कुमार ने गुरुवार को प्रेस कांफ्रेंस में किया। जहां उन्होंने इस मामले के सभी बिंदुओं पर जानकारी दी।

एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि 12 अप्रैल की देररात फोरलेन पर नगर थाना क्षेत्र में ओवरब्रिज के समीप लूटपाट की गयी थी। बाइक सवार अपराधियों ने एक टैंकर सवार लोगों से हथियार के बल पर पांच हजार रुपए नगद, तीन मोबाइल और सोने का एक लॉकेट लूट लिया था। घटना के बाद अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर एएसपी चंद्रप्रकाश के नेतृत्व में एक टीम गठित की गयी। तकनीकी और लोकल इनपुट के आधार पर पुलिस द्वारा दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से लूटा गया एक मोबाइल भी बरामद किया गया। दोनों से पूछताछ में दो अन्य लुटेरों का

■ दोनों की गिरफ्तारी से लूट की एक अन्य घटना का हुआ खुलासा

भी नाम सामने आया है। दोनों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। टीम में थानाध्यक्ष संजीव कुमार और डीआईयू के अफसर एवं जवान शामिल थे।

पिता को गिफ्ट किया था लूटा गया मोबाइल : एसपी ने बताया कि टैंकर सवार लोगों से लूटपाट करने के बाद अपराधियों ने मोबाइल अपने-अपने पिता को गिफ्ट किया था। उसमें एक मोबाइल लूट में शामिल एक अपराधी के पिता के पास से बरामद कर लिया गया है। हालांकि दो अन्य मोबाइल और पूर्व में लूटी गयी बाइक की बरामदगी को पुलिस छापेमारी कर रही है। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने तकनीकी जांच के जरिए सबसे पहले सकड्डी निवासी विकास कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने लूट में शामिल होने की बात स्वीकार कर ली। बताया कि लूटा गया एक मोबाइल उसने अपने पिता को दिया है। वहीं दो अन्य मोबाइल और लूटी गयी एक बाइक मनिछपरा निवासी सूरज राय के पास होने की बात कही गयी। उसके बाद सूरज राय के घर छापेमारी की गयी। वहां से लूटे गये मोबाइल के साथ सूरज के पिता कमलेश राय को गिरफ्तार किया गया।

दोनों का रहा है आपराधिक इतिहास : बताया जा रहा है 12 अप्रैल की रात पटना से तेल लेकर कैमूर जा रहा टैंकर फोरलेन पर ओवरब्रिज के पास खराब हो गया था। तभी अपराधियों द्वारा हथियार के बल पर टैंकर मालिक चंदन और चालक से लूटपाट की गयी थी। फोरलेन पर लूट पाट करने में गिरफ्तार विकास कुमार का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। एसपी के अनुसार उसके खिलाफ कोईलवर थाने में लूट और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। पूछताछ में उसने पूर्व में बामपाली-कायमनगर रोड पर बाइक लूट की घटना को अंजाम देने की भी बात स्वीकार की है। अन्य थानों से संपर्क कर उसका इतिहास खंगाला जा रहा है।

बाप बेटे से दो लाख की छिनतई, पटना के दो धराए

आरा। पीरो थाना क्षेत्र के इंटर कॉलेज और गटरिया के बीच आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर बुधवार को बदमाशों ने बाइक सवार बाप बेटे से दो लाख रुपए की छिनतई की। जिसमें बदमाशों ने पहले बाइक से धक्का मार उनको गिरा दिया और फिर रुपयों वाला बैग छीनकर भाग निकले। सूचना मिलने ही पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। जहां से उनकी बाइक भी जब्त की गई। हालांकि उनके पास से छीना गया रुपया बरामद नहीं किया जा सका है। गिरफ्तार दोनों बदमाश पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के आर ब्लॉक गोलंबर निवासी दीपक मिश्रा और पंडित कुमार हैं। वारदात में शामिल एक अन्य अपराधी पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका है। जिसकी शिनाख्त की जा रही है।

एक नजर

अवैध बालू ढुलाई को लेकर चला 12 घंटों तक छापेमारी अभियान, छह पोकलेन जब्त

आरा। जिले में बालू के अवैध खनन, परिवहन व ओवरलोड बालू के परिवहन के रोकथाम के लिए जिलाधिकारी राजकुमार एवं पुलिस अधीक्षक प्रमोद यादव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी दल में सदर एसडीओ, एसडीपीओ, जिला खनन पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन के अन्य वरीय पदाधिकारीयों ने कोईलवर थाना, बड़हरा थाना, सैप बल, बीएमपी बल एवं सीआईएटी बल के साथ तड़के सुबह चार बजे से लगातार 12 घंटों तक कोईलवर थाना क्षेत्र के सेमरा दियारा सोन नदी के किनारे छापेमारी की गई। जिसमे छह पोकलेन को अवैध खनन करते हुए जब्त किया गया है। साथ ही दो पोकलेन चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त पोकलेन एवं गिरफ्तार चालक के विरुद्ध खनन विभाग द्वारा कोइलवर थाना में प्राथमिकी दर्ज करते हुए लगभग 4.50 करोड़ रुपए का दण्ड अधिरोपित किया गया है। वहीं, भोजपुर जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा मनभावन चौक कोईलवर-छपरा मार्ग पर अवैध बालू लदे व ओवरलोड बालू लदे कुल 98 ओवरलोड ट्रकों पर कार्रवाई की गयी है। जिसपर खनन विभाग एवं परिवहन विभाग द्वारा लगभग चार करोड़ रुपए का दण्ड अधिरोपित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन परिवहन तथा ओवरलोडिंग के विरूद्ध हो रही ताबड़तोड़ छापेमारी से अवैध खननकताओं व पासिंग गिरोह में भय का माहौल बना हुआ है। अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध कार्रवाई जारी रहेगी एवं इसमे संलिप्त वाहनों एवं पासर गिरोह में शामिल अपराधियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

राष्ट्रीय लोक अदालत के नोटिस बनाने का समय से पूर्व लक्ष्य हासिल करें: जिला जज

जहानाबाद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार दिनांक 13 मई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर डॉ राकेश कुमार सिंह जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार जहानाबाद ने न्यायालय में चल रहे नोटिस बनाने के कार्य की प्रगति को लेकर विभिन्न न्यायालय के कार्यालय में स्वयं निरीक्षण कर जानकारी ली उन्होंने कार्यालय लिपिक, एवं पारा विधिक स्वयंसेवक को निर्देश दिए कि समय से पूर्व नोटिस बनाने का लक्ष्य पूरा करें। ताकि नोटिस वितरण कार्य में तेजी लाया जा सके एवं ज्यादा पक्ष कार को सूचित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सुलभ एवं निःशुल्क न्याय गरीब एवं कमजोर वर्गों को दिलाना ही प्राधिकार का दायित्व एवं सतत प्रयास है। प्राधिकार सचिव अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार ने बतलाया कि आज लघु अपराध सुलहनीय मामले से संबंधित पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला माप तोल पदाधिकारी, जिला श्रम अधीक्षक, कार्यपालक अभियंता भारतीय दूरसंचार निगम लिमिटेड, जिला वन क्षेत्र के पदाधिकारी, प्रतिनिधि से राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर व्यापक रूप से चर्चा की गई एवं सुलभ रुप से सभी को सहायता प्रदान करने के लिए अनुरोध किया गया।

जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक में डीडीसी ने की कार्यों की समीक्षा

जहानाबाद। उप विकास आयुक्त-सह-प्रभारी जिला पदाधिकारी परितोष कुमार की अध्यक्षता में जिला गंगा सुरक्षा समिति की समीक्षातमक बैठक का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया। सीवजे स्ट्रीटमेंट प्लांट, रिवर फ्रंट, नदी तटों पर अतिक्रमण मुक्त, सिंगल यूज प्लास्टिक, ड्रेनेज मैप, नदी तटों पर अतिक्रमण मुक्त, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, मनरेगा योजना से वृक्षारोपण, खुले में शौच से मुक्त, नदियों में अवैध खनन इत्यादि से संबंधित विषयों पर चर्चा की गयी। बैठक में उपस्थित नगर प्रबंधक, जहानाबाद के द्वारा बताया गया कि सिंगल यूज प्लास्टिक की छापेमारी की जा रही है तथा मेडिकल कचरा एवं उससे संबंधित हानिकारक सामग्रियां जो अस्पतालों एवं निजी अस्पतालों के द्वारा अन्यत्र जगहों पर फेंकी जाती है अभियान चलाकर जुमार्मा वसूली हेतु कार्रवाई की जाएगी। नगर परिषद क्षेत्र में ड्रेनेज मैप पर परिचर्चा किया गया। नदी में संचारित होने वाले नाले के पानी को रोकने संबंधित कार्रवाई हेतु बुडको एवं नगर परिषद को निर्देश दिया गया। अंचल अधिकारी, जहानाबाद को नदी तटों पर अतिक्रमण मुक्त एवं अवैध खनन से संबंधित मामलों पर सख्त कार्रवाई करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, जहानाबाद को अवगत कराने का निदेश दिया गया। एसडीओ, भवन प्रमंडल द्वारा बताया गया कि जिला एवं प्रखंड स्तर पर सरकारी भवनों में 238 रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनाया गया है। निदेश दिया गया कि शेष बचे भवनों का सर्वे कराकर एवं पूर्व से निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं की जांच कराई जाए। नेहरू युवा केन्द्र के सक्रिय सहयोग से जन जागरूकता फैलाने का निर्णय लिया गया एवं जहानाबाद में खुले में शौच से मुक्त करने हेतु स्वेच्छाग्रही एवं अन्य युवाओं के सहयोग से सघन जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। प्रभारी जिला पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त के द्वारा बैठक में उपस्थित सदस्यगण से अनुरोध किया गया कि व्यक्तिगत रूप से रूचि लेते हुए इस समिति की बैठक में लिए गए निर्णय एवं प्राप्त प्रस्तावों अथवा सुझावों पर कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

रेलवे ट्रैक को दुरुस्त करने में लगे हाइड्रा मशीन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

केटी न्यूज/आरा

जिले के गीधा ओपी क्षेत्र के कुल्हड़िया स्टेशन के पास गुरुवार को हाइड्रा मशीन की चपेट में आने से एक अधेड़ की मौत हो गई। मृतक पेशे से ऑटो चालक था। घटना तब हुई, जब वह पटना जाने के लिए पेड़ के नीचे बैठकर ट्रेन का इंतजार कर रहा था। तभी वह रेलवे ट्रैक को दुरुस्त करने में लगे हाइड्रा की चपेट में आ गया। मृतक गीधा ओपी क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी स्व. मो. अब्दुल हफीज का 55 वर्षीय पुत्र मो. अली था। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। चालक के भतीजे मोहम्मद वलीउल्लाह ने बताया कि वह गुरुवार की दोपहर पटना जाने के लिए घर से निकले थे। ट्रेन लेट होने के कारण वह कुल्हड़िया स्टेशन के पास एक पेड़ के नीचे बैठे थे। तभी रेलवे ट्रैक ठीक करने वाला हाइड्रा मशीन अचानक पीछे की ओर

ढुल गया। उस कारण वह हाइड्रा के नीचे दब गये। उससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। हादसे के बाद उनके घर में कोहराम मचा है। बताया जाता है कि चालक पांच भाइयों में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी नसीमा बेगम, पुत्र जावेद,शौकत और पुत्री जूली प्रवीण है। पत्नी नसीमा बेगम समेत परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संदिग्ध परिस्थिति में अधेड़ की मौत

केटी न्यूज/आरा

जिले के शाहपुर थाना अंतर्गत स्थानीय नगर पंचायत की वार्ड नंबर पांच में बुधवार की रात घर में सो रहे एक अधेड़ की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक वार्ड नंबर पांच निवासी स्व. विश्वनाथ पांडेय का पुत्र संजय कुमार पांडेय था। मौके से हेरोईन की दो खाली पुड़िया और माचिस की तीली बरामद की गयी है। मृतक नशे का आदि बताया जा रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

बताया जा रहा है कि वह बुधवार की रात अपने घर में था। अनहोनी को आशंका पर परिजन उसे जगाने गए,

तो वह नहीं जगा। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी। पुलिस का कहना है कि की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। इधर, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अधेड़ नशे का आदी था। अत्यधिक नशा करने के कारण ही उसकी मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि अधेड़ के परिवार में पत्नी रजनी देवी, पुत्री दीप्ति पांडेय, तृप्ति पांडेय, सुजाता पांडेय, श्वेता पांडेय और पुत्र अभिजीत पांडेय है। उसका का पुत्र अभिजीत पांडेय आर्मी में है। वर्तमान में वह हैदराबाद में ट्रेनिंग कर रहा है। घटना के बाद उसके घर में कोहराम मचा है।

परीक्षा को लेकर पूरी हुई तैयारी, शामिल होंगे 2479 परीक्षार्थी

छह केंद्रो पर कल आयोजित होगी नवोदय विद्यालय नामांकन परीक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

नवोदय विद्यालय में छठी कक्षा में नामांकन को लेकर 29 अप्रैल को जिले के छह केंद्रों पर जांच परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में पांचवीं कक्षा में उत्तीर्ण करने वाले जिले के 2479 छात्र-छात्राएं शामिले होंगे। परीक्षा को कदाचारमुक्त कराने के लिए जिला मुख्यालय में छह केंद्र उच्च विद्यालय बक्सर, बीबी उच्च विद्यालय बक्सर, नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय बक्सर, इंदिरा उच्च विद्यालय बक्सर, राज्य संपोषित कन्या उच्च विद्यालय बक्सर एवं राज्यकीय बुनियादी विद्यालय बक्सर को केंद्र बनाया गयो है। जहां जिले के निर्धारित 2 हजार 479 परीक्षार्थी परीक्षा में

शामिले होंगे। परीक्षा को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। सभी केंद्रो पर केंद्राधीक्षक के साथ ही वीक्षकों की तैनाती कर दी गई है। वहीं कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर जिला दंडाधिकारी बक्सर अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से आदेश जारी किया है।

जारी हुआ संयुक्त आदेश : परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन कराने तथा विधि व्यवस्था संधारण करने हेतु जिला दंडाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा जिला संयुक्त आदेश जारी कर दिया गयो है। चयन परीक्षा 29 अप्रैल को पूर्वाहने 11:00 बजे से अपराहन 1:30 बजे तक जिला मुख्यालय के 06 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कौ जाएगी। इस परीक्षा में कुल 2 हजार 479 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त कोऑर्डिनेटर, दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की उपस्थिति ससमय सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही परीक्षा केंद्र के 200 मीटर की परिधि में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 अंतर्गत अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर द्वारा अपेक्षित कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही फोटो स्टेट केंद्रों व दुकानों पर परीक्षा अवधि में विशेष निगरानी रखना सुनिश्चित करेंगे।

जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को मिलेगा प्रवेश : परीक्षा के दिन 9:00 पूर्वाहन तक स्टैटिक को-ऑर्डिनेटर एवं दंडाधिकारी अपने प्रतिनियुक्त स्थल पर पहुंचे जाएंगे। परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों के प्रवेश के समय गेट पर तलाशी की व्यवस्था अनिवार्य रूप से होगी। यह कार्य केंद्र पर प्रतिनियुक्त को-आर्डिनेटर, दंडाधिकारी एवं पुलिस बल के सहयोग से कौ जाएगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर प्रतिनियुक्त कोऑर्डिनेटर एवं दंडाधिकारी प्रत्येक परीक्षार्थियों की जांच प्रवेश द्वार पर ही कर लेंगे। जिससे परीक्षा अवधि में कोई भी परीक्षार्थी अनाधिकृते रूप से नकल करने के उद्देश्य से कुछ भी आपत्तिजनक सामग्री परीक्षा भवन में नहीं ले जो सके।

साथ ही केवल परीक्षार्थियों को ही परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार पर उनके प्रवेश पत्र को देखकर अंदर जाने की अनुमति रहेगी। किसी भी स्थिति में परीक्षार्थियों के अतिरिक्त अनाधिकृत व्यक्ति परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं करेगा। जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मियों को परीक्षा के दौरान कदाचार में लिप्त पाए जाने वाले परीक्षार्थियों पर सख्ती के साथ यथोचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

खबरें फटाफट

विवाहिता ने एसपी से लगायी सुरक्षा की गुहार

डुमरांव। कोरानसराय थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव की रहने वाली एक विवाहिता ने ससुरालवालों से अपनी और बच्चों की जान-माल की सुरक्षा सहित मौलिक सुविधाएं बहाल करने की गुहार लगायी है। पीड़िता कोरानसराय की रहने वाली रविंद्र कुमार सिंह की पत्नी अल्पना देवी बतायी जाती है। पीड़िता का पति परदेस में नौकरी करता है जबकि पीड़िता अपने पति के पुश्तैनी मकान में रहती है। पीड़िता ने एसपी और महिला संरक्षण अधिकारी को दिये गये आवेदन में बताया है कि ससुराल पक्ष द्वारा बेवजह मारपीट करने, बिजली-पानी और शौचालय के उपयोग पर पाबंदी लगाया गया है। बाथरूम और शौचालय को ताला बंदकर रखा गया है। पीड़िता के आवेदन पर एसपी और महिला संरक्षण पदाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए तत्काल मौलिक सुविधाएं बहाल कराते हुए जांच रिपोर्ट की मांग की है। पीड़िता ने पूरे मामले को अपने पिता के माध्यम से एसपी और महिला संरक्षण के यहां इतला दी है। पीड़ित पक्ष ने बताया कि जब वह घर से बाहर जाती है तो ससुरालवाले घर का ताला बंद कर रखे गये सामानों को तहस-नहस कर देते है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी किशोर गिरफ्तार

चौगाई। मुरार पुलिस ने थाना क्षेत्र एक गांव में पिछले दिनों हुए एक नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में आरोपी किशोर को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजा है। थानाध्यक्ष रविकांत प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए किशोर पर अपने गांव की ही एक किशोरी से दुष्कर्म करने का आरोप था। न्यायालय द्वारा उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

चौसा पावर प्लांट में रंगदारी मांगने को लेकर हुए विवाद में चली गोली, मची भगदड़

- राजपुर क्षेत्र के सौरी पलिया बधार गोलियों की तड़तड़ाहट से दहला
- पुलिस ने एक लग्जरी वाहन तथा शराब किया बरामद
- मामले में एक नामजद एवं कई अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/राजपुर

बुधवार की देर शाम राजपुर क्षेत्र के सौरी पलिया बधार गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। रंगदारी मांगने को लेकर चौसा पॉवर प्लांट में मिट्टी भराई का ठेका लेने वाले एक ठिकेदार तथा स्थानीय गांव के एक कथित रंगदार के बीच यह विवाद हुआ था। जिसमें रंगदारी नहीं देने पर कथित रंगदार द्वारा फायरिंग करने का आरोप लगा है। इस मामले में एक नामजद एवं कई अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

मिली जानकारी के अनुसार चौसा थर्मल पावर प्लांट में इन दिनों मिट्टी भराई का काम चल रहा है। एलएनटी के ठेकेदार पवन चौधरी सौरी पलिया बधार में किसानों से बात कर मिट्टी की कटाई कर थर्मल पावर प्लांट में भेज रहे थे। इस दौरान पलिया गांव के रहने वाला नौशाद अंसारी बधार में पहुंचकर कर कार्यस्थल पर रंगदारी की मांग करने लगा। जिसकी सूचना काम कर रहे मजदूरों ने ठेकेदार के सहयोगी गुड्डू सिंह को दी। सूचना मिलने पर यह अपने कई समर्थकों के साथ कार्यस्थल पर जा रहे थे। इससे पूर्व ही रंगदारी की मांग करने वालों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया।

गोलियों की आवाज सुनते ही अफरा तफरी मच गई। गाड़ी में सवार सभी लोग खेत पर ही गाड़ी छोड़ आनन-फानन में अपनी जान बचा कर भागने लगे। यहां से सुरक्षित वापस निकलने के बाद गुड्डू सिंह ने इसकी सूचना बक्सर एसपी को दी। एसपी के निर्देश पर पहुंची राजपुर पुलिस ने मौके से एक ब्रेजा कार को जब्त किया है। उक्त वाहन से एक बोतल शराब भी बरामद किया गया। हालांकि आरोपी भाग खड़े हुए थे। वहीं प्रभारी थाना अध्यक्ष संजय कुमार पासवान ने बताया कि एलएनटी के ठेकेदार पवन चौधरी के लिखित आवेदन पर रंगदारी की मांग करने वाले पलिया गांव निवासी नौशाद अंसारी सहित कई अन्य अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि वाहन से शराब की बोतल भी बरामद हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समाचार लिखे जाने तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं इस घटना की चर्चा क्षेत्र में दूसरे दिन भी होते रही। लोग फायरिंग करने वाले के दुस्साहस की चर्चा कर रहे थे। बता दें कि 1320 मेगावाट के चौसा थर्मल पॉवर प्लांट के निर्माण के साथ ही विवाद शुरू हो गए हैं। कभी मुआवजे को लेकर किसानों का आंदोलन तो कभी कामगरों की मौत के मामले से कंपनी सुर्खियों में रही है। वहीं अब मिट्टी भराई को लेकर चली गोली से एक बार फिर से यह कंपनी चर्चा में आ गई है। हालांकि इस घटना के बाद गुरुवार को मिट्टी भराई का काम जारी रहा।

पराली जलाने वाले किसानों का पंजीकरण निरस्त नहीं करने नहीं कराने की मिली सजा

बड़ी कार्रवाई... 15 कृषि समन्वयकों का वेतन बंद, अब निलंबन की तैयारी

- गेहूं की कटाई के बाद खेतों में पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर दर्ज कराया जाएगा एफआईआर
- पराली जलाने से होने वाले नुकसान को प्रचारित किए जाने के बावजूद किसानों न इसे गम्भीरता से नही लिया

केटी न्यूज/बक्सर

जिला प्रशासन के निर्देश पर कृषि विभाग ने पराली जलाने वाले किसानों के प्रति हमदर्दी दिखाने वाले 15 कृषि समन्वयकों का वेतन बंद कर दिया है। इसके साथ ही विभाग उनके निलंबन की तैयारी में भी जुट गया है। जिला कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि दोषी कृषि समन्वयकों पर पराली जलाने वाले किसानों का कृषक पंजीकरण निरस्त नहीं करने तथा उनपर आईपीसी की धारा 133 के तहत एफआईआर दर्ज नहीं कराने का आरोप है। उन्होंने कहा कि अन्य समन्वयकों की भूमिका की जांच की जा रही है। जांच में आरोप सिद्ध होने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पराली जलाने वाले किसानों को भी चिन्हित किया जा रहा है। उनपर भी एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि पराली जलाने से होने वाले नुकसान को कृषि विभाग द्वारा किसानों के बीच विभिन्न माध्यमों से प्रचारित किया जा रहा है। बावजूद किसानों द्वारा इसे गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि बक्सर जिला सर्वाधिक तापमान के मामले में टॉप पर है। उन्होंने कहा कि जिले के विभिन्न ईलाकों से पराली जलाने को लेकर मिल रही शिकायत के आधार पर कर्मियों पर यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि गेहूं की कटाई के बाद बड़े पैमाने पर किसानों द्वारा पराली जलाई गई है। इस प्रयास में कई बार आगलगी की घटना भी हो चुकी है। जिसके बाद विभाग काफी सख्त हो गया है। विभाग की इस कार्रवाई के बाद कर्मियों के साथ ही किसानों में हड़कंप मच गया है।

क्या है पराली

हार्वेस्टर से जब किसान गेहूं या धान की कटाई कराते है तो फसल का आधा हिस्सा खेत में ही छूट जाता है। इसी को पराली कहते है। अधिकांश किसान जानकारी के अभाव में छूटे हुए फसल के हिस्से को जला देते हैं। जिसे पराली जलाना कहते हैं। जानकारों की मानें तो पराली जलाने से कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी जहरीली गैसे निकलती है। जिससे गंभीर वायु प्रदूषण होता है। इसका मानव स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। इससे त्वचा एवं आखों में जलन, गंभीर तंत्रिका संबंधी, हृदय संबंधी, श्वसन इत्यादि रोग हो सकते हैं। साथ ही पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभदायक कीट के नाश के साथ-साथ मिट्टी भी बंजर हो रही है। पराली प्रबंधनरू- पराली प्रबंधन पर विभाग द्वारा अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। यही कारण है कि इसे रोकने के लिए विभाग द्वारा व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार करवाया जा रहा है।

पराली प्रबंधन की जानकारी देते हैं समन्वयक

विभाग द्वारा किसानों को पराली जलाने से रोकने के साथ ही पराली प्रबंधन की जानकारी भी दी जाती है। यह जानकारी समन्वयकों के माध्यम से ही दी जाती है। पराली प्रबंधन में स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, स्ट्रा बेलर, सुपर सीडर, रोटावेटर, जीरो टिल सीड ड्रील, मल्चर, हैप्पी सीडर इत्यादि यंत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन यंत्रों पर कृषि विभाग द्वारा आकर्षक अनुदान भी दिया जा रहा है।

पराली जलाने वालों किसानों पर दर्ज कराना है एफआईआर : पराली जलाने से पर्यावरण को पहुंच रही क्षति तथा जमीन के बंजर होने को देखते हुए विभाग द्वारा सख्त कानून बनाए गए हैं। इसके तहत पराली जलाने वाले किसानों के पूरे परिवार का कृषक पंजीकरण निरस्त करना तथा उनपर आईपीसी की धारा 133 के तहत एफआईआर दर्ज कराया जाता है। उन्होंने कहा कि इसका पालन नहीं करने वाले समन्वयकों को बर्खास्त किया जाएगा।

एक नजर

देशव्यापी आह्वान के तहत भाकपा माले ने प्रखंड मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

डुमरांव। खेत मजदूर सभा के आह्वान पर देश व्यापी कार्यक्रम के तहत भाकपा माले ने गुरूवार को स्थानीय प्रखंड मुख्यालय पर एक दिवसीय प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अडानी-अंबानी परस्त गरीब विरोधी भाजपा की उन्मादी सांप्रदायिक राजनीत के खिलाफ संघर्ष को तेज करना होगा। कमरतोड़ महंगाई और खाद्य पदार्थों की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि ने लोगों का जीना हराम कर दिया है। गरीब-मजदूर, किसान इस महंगाई की मार को झेल नहीं पा रहे है और कार्पोरेट परस्त यह सरकार मनरेगा को भी बंद करने की नापाक कोशिश कर रही है। भारत सरकार की न्यूनतम मजदूरी 429 रुपए देने से मोदी सरकार मना कर दिया है और मिट्टी काटने और ढोने जैसे कठिन काम की मजदूरी 228 रुपए निर्धारित कर दिया है। भाकपा माले ने बिहार सरकार को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि महागठबंधन की सरकार दलित-गरीबों के सवाल पर उदासीन है। गरीबों का बिजली बिल माफ करने की बजाय उनका कनेक्शन काट रही है। बिहार सरकार गरीबों के मुद्दे पर असंवेदनशील बनी है। माले नेताओं ने कहा कि बिहार सरकार कैदियों के रिहाई के सवाल पर दोहरा मानदंड अपना रही है। माले ने पर्याप्त सजा काट चुके गरीब तथा दलित तबके के वैसे कैदी जो टाडा जैसे मामलों में बंद है उन्हें अविलंब छोड़ने की मांग की। प्रदर्शन का नेतृत्व खेग्रामस नेता कन्हैया पासवान व माले नेता सुकर राम ने किया तथा माले नेता संजय शर्मा ने संबोधित किया। मौके पर आइसा नेता धनजी पासवान, नगर सचिव कृष्णा राम, प्रखंड कमिटी सदस्य भगवान दास, जाबिर कुरैशी, गौरीशंकर प्रसाद, जवाहर पासी, राहुल पासवान मीना देवी सहित अन्य मौजूद थे।

वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज में बांटा गया सुपर बैग

डुमरांव। वीर कुंवर सिंह कृषि कॉलेज डुमरांव में गुरूवार को एक समारोह आयोजित कर सुपर बैग का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम कॉलेज के स्थापना दिवस तथा बाबू कुंवर सिंह जयंती के मौके पर आयोजित किया गया था। कॉलेज के कीट विभाग द्वारा आयोजित इस वितरण समारोह का नेतृत्व विभाग के प्रधान अन्वेषक डा रणजीत कुमार ने किया। उन्होंने बताया कि यह सुपर बैग सभी तरह के अनाजों, दालों तथा बीजों के सुरक्षित भंडारण के लिए कारगर उपाय है। उन्होंने कहा किसानों द्वारा इस बैग के उपयोग से पर्यावरण को खतरा नहीं पहुंचेगा तथा अनाज व बीज कीटों से मुक्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि सुपर बैग के सहारे अनाजों व बीजों का लंबे समय तक सुरक्षित भंडारण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि घरों तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों दोनों जगहों पर इस बैग का उपयोग किया जा सकता है। वही उन्होंने 1857 की क्रांति में बाबू वीर कुंवर सिंह के योगदानों की चर्चा की तथा उन्हें इस क्रांति का महानायक बताया। मौके पर जितेन्द्र कुमार, डा मणिभूषण ठाकुर, डा राजकुमार साह, मो साहिन नाज, डा बीरेन्द्र सिंह समेत कई अन्य मौजूद थे।

ब्रह्मपुर सीआई के कार्यालय में घुसकर प्रमुख प्रतिनिधि ने जान से मारने की दी धमकी

ब्रह्मपुर। हाल ही में गया शिक्षक स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले व ब्रह्मपुर प्रमुख प्रतिनिधि पर स्थानीय प्रखंड के सीआई ने कार्यालय में घुस गाली गलौज करने तथा हथियार दिखा जान मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। सीआई गणेश कुमार सिंह के आवेदन में मामला दर्ज कर स्थानीय पुलिस मामल की जांच में जुट गई है। ब्रह्मपुर के प्रभारी थानाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि सीआई ने प्रमुख प्रतिनिधि दुर्गाचरण मिश्र पर कार्यालय में घुस गाली गलौज करने तथा हथियार दिखा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। बताया जाता है कि दो दिन पहले ब्रह्मपुर में पंचायत समिति की बैठक आहूत की गई थी। यह मामला भी उसी दिन का है।

कलश यात्रा के साथ नंदन में आज से शुरू होगा हनुमत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ

डुमरांव। अनुमंडल मुख्यायल से सटे नंदन गांव में श्रीलक्ष्मीनारायण सह हनुमत प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ शुरू हो रहा है। इसके पूर्व संध्या से ही हनुमान मंदिर प्रांगण में साधु संतो का जमावड़ा व प्रवचन शुरू हो गया है। जिससे गांव में भक्ति रस की अविरल धारा बह रही है। पूर्व संध्या पर चर्चित प्रवचनकर्ता श्री श्री 108 फलहारी बाबा उर्फ सीताराम जी के द्वारा प्रवचन किया गया। जिसे सुनने के लिए गांव तथा आस पास के सैकड़ो श्रद्धालु महिला व पुरूष उमड़े थे। आयोजन समिति ने बताया कि शुक्रवार को भूमिपूजन व जलयात्रा के साथ यज्ञ की विधिवत शुरूआत होगी। शनिवार को पंजाग पूजन तथा मंडप प्रवेश के साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार व हवन से इलाका गूंजायमान हो जाएगा। जबकि 3 मई को हनुमान जी के मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, पूणार्हूति तथा भंडारा के साथ यह यज्ञ संपन्न हो जाएगा। यह यज्ञ यज्ञाचार्य श्रीनिवास तिवारी के नेतृत्व में आयोजित हो रहा है। जबकि यज्ञ क दौरान विवेक भूषण जी महाराज के कथामृत का पान श्रोता करेंगे। आयोजकों ने बताया कि इस यज्ञ के आयोजन से ग्रामीणों में उत्साह व्याप्त है।

कोर्ट में पेशी के दौरान आरोपी को हुई सीने में तेज दर्द, मौत

- पत्नी की शिकायत पर बगेन पुलिस ने किया था गिरफ्तार
- बगेन थाना के भदवर का रहने वाला है मृतक

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

शराब के नशे में पत्नी से मारपीट करने के आरोपी की मौत कोर्ट में प्रस्तुत करने के दौरान हो गई। बुधवार की रात उसकी पत्नी मटरू देवी की शिकायत पर ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। मामला बगेन थाना से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार बगेन थाना क्षेत्र के भदवर गांव के 55 वर्षीय जितेन्द्र नट की पत्नी ने बुधवार की रात स्थानीय पुलिस से शिकायत की थी कि उसके पति शराब के नशे में उसके साथ मारपीट कर रहा है। फोन करने वाली महिला ने यहा तक कहा कि उसका पति उसे दबिया (धारदार हथियार) से मार रहा है। पुलिस ने स्थिति को भांपते हुए रात में ही उसे गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन पुलिस गिरफ्त में आने के बाद उसने चेस्ट पेन की शिकायत की थी। जिसके बाद रात में पुलिस उसे इलाज के लिए लेकर रघुनाथपुर सीएचसी गई वहां इलाज के बाद उसे लेकर फिर थाने आई। सुबह में पुलिस उसे कोर्ट में प्रस्तुत करने के लिए बक्सर लेकर गई थी। लेकिन कोर्ट की सीढ़ियों पर चढ़ने के दौरान उसका दर्द एक बार फिर से उभर गया तथा वह वहीं पर गिर गया। इसके बाद पुलिस उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गई। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसपी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पत्नी की शिकायत पर ही उसे गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि उसकी पत्नी का इलाज भी करवाया गया है। हालांकि उसकी मौत किन कारणों से हुई है अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

एनएच 120 पर टेढ़की पुल के पास अनियंत्रित हो पलटी टेम्पो, घटनास्थल पर एक की मौत, आधा दर्जन जख्मी

केटी न्यूज/डुमरांव

गुरूवार की देर शाम एनएच 120 पर टेढ़की पुल के पास एक टेम्पो अनियंत्रित हो सड़क पर पलट गई। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि करीब आधा दर्जन यात्री जख्मी हुए है। जिनका इलाज विभिन्न अस्पतालों में चल रहा है। घटना शाम करीब 7.30 बजे की बताई जा रही है। मृतक खलवा ईनार के कन्हैया यादव के 50 वर्षीय पुत्र देवनाथ यादव है। घटना के बाद से टेम्पो चालक फरार हो गया है। वहीं अन्य यात्रियों की पहचान नहीं हो पाई है।

सूचना मिलते ही डुमरांव थानाध्यक्ष बिदेश्वर राम के नेतृत्व में मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में ले मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार देवनाथ डुमरांव के जेपी चाट की दुकान पर काम करता था। हर दिन की तरह वह गुरूवार की शाम वह टेम्पो से अपने गांव खलवा ईनार जा रहा था। जैसे ही उसकी टेम्पो टेढ़की पुल से आगे बढ़ी कि अनियंत्रित हो सड़क पर ही पलट गई। जिसमें दबने से देवनाथ की मौके पर ही मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना स्थल पर पहुंचे परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। उसकी मां, पत्नी तथा बच्चें रोते रोते बेसुध हो गए थे। मौके पर सैकड़ो ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस शव का पंचनामा कर रही थी। टेढ़की पुल का क्षेत्र डेंजर जोन बन गया है। यहां आए दिन दुर्घटना होती रहती है।

भविष्य निधि विभाग ने डुमरांव नगर परिषद के मजदूरों को ईपीएफ की जानकारी देने के लिए आयोजित किया कार्यक्रम

बोले मजदूर... पीएफ की राशि काटने के बाद भी इसे ईपीएफ फंड में नहीं जोड़ा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद कार्यालय में गुरूवार को भविष्य निधि विभाग (ईपीएफओ) द्वारा मजदूरों को इपीएफ योजना की जानकारी देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लेकिन इस कार्यक्रम में मजदूरों ने पटना से आए विभाग के अधिकारियों के समक्ष नगर परिषद तथा सफाई एनजीओ के कार्यशैली की पोल खोलकर रख दी। जिससे अधिकारी भी भौचक्क रह गए। बता दें कि ईपीएफओ द्वारा निधि आप के निकट कार्यक्रम के तहत इपीएफ की जानकारी देने के लिए नप कार्यायल में शिविर लगाया गया था। इस दौरान नगर परिषद के सफाई एनजीओ के लिए मजदूरी करने वाले करीब डेढ़ दर्जन मजदूरों ने बताया कि नगर परिषद या फिर एनजीओ द्वारा पीएफ की राशि तो काटी गई है लेकिन वह राशि ईपीएफ फंड में नहीं जोड़ा गया है। मजदूरों के साथ ही ऐसी शिकायतें कुछ रिटायर्ड कर्मियों ने भी की।

मजदूरों की इस शिकायत को सुन ईपीएओ की टीम काफी गंभीर हो गई। टीम ने इसे गंभीर मामला बताया। वहीं कार्यक्रम में ईपीएफओ रीजनल ऑफिस पटना से आए एओ अमित कुमार सेक्शन सुपरवाइजर नीरज कुमार तथा पिंटू कुमार ने मजदूरों को पीएफ सिस्टम के ऑनलाइन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी और मजदूरों को अपना ईपीएफ एकाउंट समय समय पर चेक करते रहने की नसीहत दी।

कार्यक्रम में बताया गया कि मजदूर स्वयं अपना पासबुक निकालें केवाईसी की जानकारी देते हुए भविष्य निधि से पैसा निकालने और पेंशन फॉर्म जमा करने की जानकारी दी गई। वही मजदूरों तथा रिटायर्ड कर्मियों की शिकायतों के संबंध में टीम द्वारा नगर परिषद के ईओ मनोज कुमार से पूछा गया। ईओ ने ईपीएफओ की टीम को मजदूरों का कंप्लेंट जांच कराने का भरोसा दिलाया और बताया कि एनजीओ द्वारा यदि गड़बड़ी की गई होगी तो उस पर कार्रवाई की जाएगी तथा मजदूरों का पैसा उनके इपीएफ एकाउंट में डलवाया जाएगा।

हालांकि टीम ने भरोसा दिलाया है कि ईपीएफ का पाई पाई पैसे का हिसाब दिया जाएगा। टीम ने बताया कि प्रत्येक माह के 27 तारीख को नगर परिषद कार्यालय में निधि आपके निकट कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वही इस आयोजन से मजदूरों में खुशी देखी गई। मजदूरों का कहना है कि देर से ही सही लेकिन अब उनके इपीएफ एकाउंट का हिसाब दुरूस्त होगा।

कोल्ड ड्रिंक्स को ठंडा कराने के नाम पर ग्राहकों से लूट, विभाग मौन

केटी न्यूज/बलिया

❐ एमआरपी से अधिक दो रुपये से लेकर दस रुपये तक वसूले जा रहे अधिक

सूरज की तपिश बढ़ने के साथ पेय पदार्थ की मांग ज्यादा बढ़ गयी है। जिसमें शीतल पेय पदार्थों की मांग सबसे अधिक है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि दुकानदार पेय पदार्थों को ठंडा करने के नाम पर निर्धारित मूल्य से अधिक पैसे ले रहे है। जिसमें पेय पदार्थ खरीदने वाले लोगों को अधिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। बता दें कि तपिश से बचने के लिए लोग प्रायः अपनी हलक को तर करने के लिए शीतल पेय पदार्थ पीकर प्यास बुझाते देखे जा रहे है, लेकिन शीतल पेय पदार्थ बेचने वाले दुकानदार कोल्ड ड्रिंक को ठंडा करने के नाम पर ग्राहकों से अतिरिक्त पैसे वसूल रहे हैं। अधिक पैसा वसूलने को लेकर ग्राहकों व दुकानदारों के बीच बकझक होती दिखाई पड़ती है। जिस कोल्ड ड्रिंक का मूल्य 20 रुपये निर्धारित है उसे दुकानदार 22 से 25 रुपए में ठंडा करने के नाम पर बेंच रहे हैं। बड़ी बोतल जिसकी एमआरपी 95 रुपया है उसे 100 रुपये से 105 तक बेचा जा रहा है।

क्या कहते हैं लोग : राम प्रकाश, प्रेम नाथ, दीपक कुमार विकास कुमार कहते हैं कि पेय पदार्थ

बनाने वाली ब्रांडेड कंपनियां सिर्फ उत्पाद बेचने की जिम्मेवारी तक सीमित रहती है, लेकिन उनके उत्पाद को दुकानदार ब्लैक में बेंच रहे हैं या नहीं उस पर कोई भी पकड़ नहीं रहती है। पेय पदार्थ का निर्धारित मूल्य से अधिक पैसा दुकानदारों द्वारा लिये जाने के संबंध में पूछे जाने पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने कहा कि मूल्य नियंत्रण मेरे अधिकार में नहीं है। चंद्रशेखर नगर निवासी निवासी रविंद्र शर्मा, गौरव शुक्ला सहित अन्य लोगों का कहना है कि शीतल पेय सामग्री के दुकानदारों से यदि कोई एमआरपी से अधिक वसूलने की शिकायत भी करता है तो उससे कह दिया जाता है कि एमआरपी पर केवल गर्म बाटल ही दी जाएगी। यदि ठंडी बाटल चाहिए तो एक्सट्रा रुपए देने ही पड़ेंगे, इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और खराब है, वहां तो नकली कोल्डड्रिंक्स के साथ ही मनमाने रेट भी चलते हैं। इसके अलावा घटिया किस्म के पानी के पाउच भी तीन रुपए में बेचे जा रहे हैं, गर्मी के दौरान लगने वाली अस्थायी दुकानों के संचालक चार महीने बिजली के बिल का भार उठाना नहीं चाहते, वहीं जो होटल और रेस्टोरेंट स्थायी हैं वह भी गर्मी के मौसम के दौरान बढने वाली खपत को वहन नहीं करना चाहते।

क्या कहते हैं दुकानदार : एक दुकानदार ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि कंपनी ने मूल्य तो निर्धारित कर दिया, लेकिन फ्रिज, बिजली तथा बर्फ का अतिरिक्त खर्च कहां से आएगा। इस पर जब दुकानदार से सवाल पूछा गया कि कोल्ड ड्रिंक्स की कीमत में सब सम्मिलित रहता है, इस पर दुकानदार कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

नपा और नपं के वार्डों में मतदाताओं की नब्ज टटोलने में जुटे प्रमुख दलों के प्रत्याशी

निकाय चुनाव के पूर्व मुस्लिम मतदाताओं की चुप्पी से प्रमुख दलों की बेचैनी बढ़ी

केटी न्यूज/गाजीपुर

निकाय चुनाव में उम्मीदवार मतदाताओं की नब्ज टटोलने में लगे हैं। बड़े दलों के कुछ उम्मीदवार वार्डवार एवं जातिवार वोटरों की समीक्षा कर रहे हैं। इतना ही नहीं मतदाताओं का झुकाव अपनी तरफ करने के लिए सियासी गोटी बिछाई जा रही है। नगर पालिका गाजीपुर की बात करें तो यहां अध्यक्ष पद के चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं की खामोशी प्रमुख दलों को चिंता में डाले हुए है। खासकर सपा, बसपा और कांग्रेस में बेचैनी बढ़ गई है। तीनों दलों के नेता मुस्लिम मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। वहीं, पिछले 25 वर्षों के गड़े मुद्दे को उखाड़ा जा रहा है। तरह-तरह के हथकंडों से मुस्लिम मतदाताओं पर डोरे डालने का प्रयास किया जा रहा है।

गाजीपुर नगरपालिका परिषद क्षेत्र में लगभग 20 हजार मुस्लिम मतदाता हैं। जिनमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सपा, बसपा व कांग्रेस के रणनीतिकार रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी से आमीर अली का टिकट कटने के बाद मुस्लिम मतदाताओं में सपा के प्रति काफी नाराजगी थी, इस नाराजगी के अवसर का लाभ उठाते हुए कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी हामीद अंसारी ने अपने समाज के मतदाताओं की सहानुभूति अपने पक्ष में करने का भरपूर प्रयास किया। जिसमें काफी हद तक सफल रहे। लेकिन सपा ने शरीफ राईनी को अपने पक्ष में लाकर मुस्लिम समाज में बड़ा संदेश दिया। आज आमीर अली के साथ शरीफ राईनी मुस्लिम बस्तियों में साइकिल के लिए वोट मांगते दिखाई दे रहे हैं। इस संदर्भ में सपा नेता आमीर अली ने बताया कि मुस्लिम भाइयों को समझाया जा रहा है कि मुस्लिम वोटों में बंटवारा होने से

सीधे सत्ताधारी पार्टी को लाभ होगा। इसलिए सपा को समर्थन दीजिए जिससे कि 25 वर्षों से चला आ रहा भ्रष्टाचारी राज को समाप्त किया जा सके। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही मुस्लिम मतदाता वर्तमान परिवेश को देखते हुए साइकिल के पक्ष में लामबंद हो जाएंगे।

जबकि कांग्रेस के मीडिया प्रभारी अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी हामीद अंसारी इकलौते प्रत्याशी है, मुसलमान पहले अपने घर दीया जलाएगा, फिर दूसरों के बारे में सोचेगा। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस के पक्ष में वोट करेगा, क्योंकि आज राहुल गांधी ही भाजपा सरकार का मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। बसपा के प्रत्याशी सुभाष चौहान ने कहा कि बसपा ही मुसलमानों की सबसे बड़ी हितैषी पार्टी है, पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा बसपा ने ही मुस्लिम प्रत्याशी बनाए हैं। बहन जी की सरकार में मुसलमानों के विकास के लिए कई योजनाएं चलाई गई हैं। इसलिए मुसलमानों का सबसे बड़ा समर्थन बसपा को मिलेगा। सपा, बसपा और कांग्रेस के दांवों से मुसलमान कितना प्रभावित होगा, यह तो आने वाला समय बताएगा लेकिन मुस्लिम मतदाताओं में बिखराव होने का सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। वहीं, भारतीय जनता पार्टी भी अपनी ओर से ताक झोंकने में लगी हुई है।

48 घंटे पहले बंद होंगी शराब व भांग की दुकानें

गाजीपुर। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी (पं0 एवं नगरीय निकाय) ने बताया कि निकाय चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शान्तिपूर्ण संपन्न कराने के लिए जिले में प्रथम चरण का मतदान 04 मई 2023 को होना नियत है एवं मतगणना 13 मई 2023 को सम्पन्न कराई जाएगी। जनपद के आबकारी अधिकारी ने समस्त मादक पदार्थों एवं शराब की दुकानों के मालिकों को निर्देश दिया है कि मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से मतदान समाप्त होने दुकानें बंद रहेंगी। साथ ही मतगणना प्रारम्भ होने के एक दिन पूर्व शाम 05:00 बजे से मतगणना समाप्ति के उपरान्त उस दिन रात्रि 12:00 बजे तक आबकारी एवं मादक पदार्थो की दुकानों को बन्द रखा जाएगा।

वोट देने के लिए इन पहचान पत्रों में से एक जरूर साथ लाएं

गाजीपुर। जनपद में नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत का चुनाव 04 मई को होगा। मतदाताओं को अपना वोट देने के लिए निम्नलिखित विकल्पों में से कोई एक पहचान पत्र साथ लाना अनिवार्य रहेगा। जिसमें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत मतदाता पहचान पत्र, आधारकार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेन्स, आयकर पहचान पत्र, राज्य व केंद्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों अथवा पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा उनके कर्मचारियों को जारी किए जाने वाले फोटोयुक्त पहचान पत्र, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों/पोस्ट ऑफिस द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, फोटोयुक्त पेंशन अभिलेख यथा-भूतपूर्व सैनिक पेंशन बुक, पेंशन भुगतान आदेश, वृद्धावस्था पेंशन, फोटोयुक्त स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी पहचान पत्र, फोटोयुक्त शस्त्र लाइसेंस, फोटोयुक्त शारीरिक रूप से अशक्त होने का प्रमाण पत्र एवं श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के अन्तर्गत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इण्डिया द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, सांसदों, विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र एवं राशन कार्ड ही मान्य होगा। इसके अतिरिक्त कोई दस्तावेज परिवार के मुखिया के पास ही उपलब्ध होते है। वह उक्त परिवार के दूसरे सदस्यों की पहचान के लिए भी वैध माने जाएंगे।

प्रशिक्षण की दोनों पालियों में अनुपस्थित रहे 32 मतदान कर्मी

गाजीपुर। नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2023 को सकुशल निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी की उपस्थिति में स्नातकोत्तर महाविद्यालय के टेरी भवन के विभिन्न कक्षों में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों व चुनाव आयोग द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें बैलेट बाक्स को सील करने, एजेन्ट की नियुक्ति करने एवं अन्य विषयों पर विस्तार से कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। गुरुवार को द्वितीय प्रशिक्षण में प्रथम पाली में 600 कार्मिकों में 16 अनुपस्थित पाए गये तथा द्वितीय पाली में 584 कार्मिकों में 16 अनुपस्थित पाए गये। उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे अगले दिन 28 अप्रैल के प्रशिक्षण में भाग लेना सुनिश्चित करें अन्यथा अनुपस्थित पाए जाने पर उनके विरूद्ध सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

एक नजर

जिलाधिकारी ने किया सत्र न्यायालय का निरीक्षण, साफ सफाई का दिया निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर के साथ जिला एवम सत्र न्यायालय बलिया का निरीक्षण किया। वहां पर उन्होंने पानी, बिजली और साफ-सफाई की व्यवस्था देखी। जिलाधिकारी ने ईओ नगरपालिका को निर्देश दिया कि की सभी आरो प्लांट सही से काम करें और सभी को स्वच्छ जल मिले। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने निर्देश दिया शौचालयों की व्यवस्था ठीक कराई जाए और वहां पर साफ सफाई की व्यवस्था भी रखी जाए।

जिलाधिकारी ने सत्र न्यायालय में भवनों का निरीक्षण किया और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि उनकी मरम्मत कराई जाए साथ ही रंगाई पुताई का काम करवाया जाए। प्रभारी जनपद न्यायाधीश दिनेश कुमार मिश्रा ने जिलाधिकारी को बताया कि सत्र न्यायालय में वाहन खड़े करने की जगह का अभाव है अतः इसकी व्यवस्था कराई जाए। इस अवसर पर प्रभारी जनपद न्यायाधीश दिनेश कुमार मिश्रा, अतिरिक्त जनपद न्यायाधीश हुसैन अहमद अंसारी के अलावा ईओ नगर पालिका और पीडब्ल्यूडी तथा बिजली विभाग के अधिकारी गण उपस्थित थे।

माले ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा

बलिया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माले व अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर सभा अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 अप्रैल गुरुवार को ब्लॉक मुख्यालय मनियर पर पहुंचे। चुनाव आचार संहिता को देखते हुए माले कार्यकताओं ने धरना कार्यक्रम को निरस्त किया। भाकपा माले नेता श्री राम चौधरी के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन एडीओ पंचायत मनियर को सौंपा। माले नेताओं ने ज्ञापन के माध्यम से मांग किया कि कथित रूप से प्रदेश सरकार द्वारा विद्युत मूल्य 23% बढ़ाने के प्रस्ताव को तुरंत वापस लिया जाय। बिजली बिल माफ किया जाय और गैस का दाम हाफ किया जाय। सभी गरीबों द्वारा स्वयं सहायता समूह, माइक्रोफाइनेंस कंपनियों एवं सूदखोरों से लिए गए सभी कर्जा माफ किया जाय।ग्रामीण गरीबों पर बुलडोजर चलाने पर तत्काल रोक लगाया जाय। जीएस बंजर पर बसे क्षेत्र में वर्षों से बसें गरीबों को पट्टा देकर नियमितीकरण किया जाय। मनरेगा में 200 दिन का काम व600 रुपये मजदूरी दिया जाय। शहरी गरीबों के लिए भी रोजगार गारंटी कानून बनाया जाय। प्रदेश में बढ़ते दलित उत्पीड़न पर रोक लगाया जाए। हरिजन उत्पीड़न एक्ट को प्रभावी ढंग से लागू किया जाय आदि।

शादी की सालगिरह पर टीबी मरीजों को लिया गोद

मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के वरिष्ठ डॉ. संतोष कुमार यादव ने अपनी 10वीं सालगिरह पर 10 टीबी के मरीजों को गोद लेकर एक मिसाल पेश की है। जबकि कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपनी बेटी के जन्मदिन पर सात टीबी के मरीजों को गोद लिया था। वहीं गुरुवार को अपनी सालगिरह पर 10 टीबी के मरीजों को गोद लेने कार्य किया है इस बाबत पूछे जाने पर डॉक्टर संतोष कुमार यादव ने बताया कि अपनी सालगिरह या जन्मदिन पर गरीब और असहाय की मदद करने से मन को संतुष्टि मिलती है। इसलिए जब तक 10 टीबी मरीजों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से इलाज चलेगा, तब तक मरीजों को हर महीने चना, गुड़, मूंगफली, बादाम, सोयाबीन देते रहेंगे। वहीं टीबी मरीज मोनी गोड़ ने डॉक्टर संतोष कुमार यादव और उनके पूरे परिवार को कहा कि यह लोग गरीब और असहाय लोगों की मदद करते हैं इसलिए भगवान भी कहीं ना कहीं इनकी मदद किसी रूप में करता होगा। टीबी मरीज विशाल ने कहा कि लोग जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के बीच में हजारों रुपए खर्च करके पार्टी करते हैं। उन लोगों को भी डॉ. संतोष कुमार यादव से सीखना चाहिए। सभी टीबी मरीजों ने डॉक्टर संतोष कुमार यादव और उनके पूरे परिवार को आशीर्वाद दिया।

डीएम व एसपी ने जेल का किया निरीक्षण

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय के साथ जिला कारागार का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महिला एवं पुरुष बैरकों में जाकर बंदियों से जेल में मिलने वाली सुविधाओं के साथ समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल अधीक्षक को सरकार द्वारा बंदियों को दी जाने वाली समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी के निर्देश पर बंदियों से मुलाकात करने वालों की भी सघन तलाशी ली गई। किसी भी मुलाकाती से कोई आपत्तिजनक सामग्री बरामद नहीं हुई। जिला कारागार परिसर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरो की सक्रियता की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने इन्हें अनवरत सक्रिय रखने के निर्देश दिए। जिससे बंदियों एवं जेल परिसर में होने वाली कार्यवाहियों पर नजर रखी जा सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने कारागार परिसर स्थित रसोईघर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने रसोई घर में विशेष साफ सफाई रखने के साथ ही बंदियों को मेन्यू के हिसाब से गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश जेल अधीक्षक को दिए। उन्होंने खाद्य पदार्थों हेतु स्टॉक रूम में रखे गए खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता की भी जांच कर आवश्यक निर्देश दिए। वर्तमान में जिला कारागार में कुल 747 बंदी है, जिनमें 20 महिलाएं भी शामिल है। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक नागेश सिंह सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुंडा एक्ट के तहत 12 लोग जिला बदर

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 12 लोगों को 6 माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए। जिला बदर किए गए अपराधियों में अमरजीत यादव पुत्र गोधन यादव निवासी पतजीवा थाना दोहरीघाट जनपद मऊ, कलाम पुत्र इरशाद निवासी डोमनपूरा बाडा (जमालपुरा) थाना दक्षिण टोला जनपद मऊ, बृजेश यादव पुत्र रामभुवन यादव निवासी बरूहा थाना घोसी जनपद मऊ, मु. मुस्ताक पुत्र उस्मान निवासी अलीनगर बड़ी कम्हरिया थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ, फहद पुत्र मुश्ताक निवासी दरगाह थाना मधुबन जनपद मऊ, अख्तर पुत्र हमीद निवासी दरगाह थाना मधुबन जनपद मऊ, अफसर पुत्र हमीद निवासी दरगाह थाना मधुबन जनपद मऊ, अफजल पुत्र मुश्ताक निवासी दरगाह थाना मधुबन जनपद मऊ, सचिन यादव पुत्र अनिल यादव सा. सहादतपुरा थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ, अंकित सिंह पुत्र वशिष्ठ सिंह निवासी डुमराव थाना सरायलखंसी जनपद मऊ, मनकू पुत्र सुक्खू सोनकर निवासी पूरा दुर्जन महरनियां थाना कोतवाली नगर जनपद मऊ मोनू सोनकर पुत्र छेदी सोनकर निवासी दोस्तपुरा थाना कोपागंज जनपद मऊ के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए जिलाधिकारी श्री अरुण कुमार ने 6 माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए।

वोटर लिस्ट में कूट रचना करने पर दो के खिलाफ एफआईआर

केटी न्यूज/बलिया

नगर पालिका रसड़ा के वार्ड नंबर 24 के सभासद प्रत्याशी के खिलाफ एसडीएम/ निर्वाचन अधिकारी सदानंद सरोज ने धोखाधड़ी और कूट रचना कर अपने प्रतिद्वंद्वी का पर्चा निरस्त कराने को लेकर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराया है। पुलिस को दिए तहरीर में निर्वाचन अधिकारी ने उल्लेख किया है कि नगर पालिका रसड़ा के वार्ड संख्या 24 में सदस्य पद हेतु के लिए राजेश पुत्र छेदीलाल ने नामांकन पत्र भरा था। लेकिन जांच के दौरान निर्वाचक नामावली में राजेश के पिता का नाम हरिशंकर पाया गया। इस संबंध में जब संबंधित से पूछताछ और विभागीय जांच की गई तो स्पष्ट हुआ कि राजेश के

विपक्षी अविनाश जायसवाल पुत्र गोपाल जी, निवासी मोहल्ला गुदरी बाजार, रसड़ा और भारद्वाज स्टेशनर्स, निकट कोतवाली हरपुर, बलिया की संलिप्तता सामने आई। इनकी मंशा यह रही कि राजेश का पर्चा खारिज हो जाए। कोतवाल हिमेंद्र सिंह ने बताया कि निर्वाचन अधिकारी व एसडीएम की तहरीर पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बगैर लाइसेंस के मेडिकल दुकान चलाने की शिकायत पर जांच

बलिया। बगैर लाइसेंस के मेडिकल की दुकान चलाने की लिखित शिकायत पर औषधि विभाग की टीम गुरुवार को मेडिकल की दुकान पर पहुंची और कागजातों की जांच की। शिकायतकर्ता ने डीएम व मुख्य चिकित्साधिकारी के यहां लिखित शिकायत में कहा कि मनियर के पिलुई चट्टी पर बगैर लाइसेंस के खुशी मेडिकल स्टोर के दुकान का संचालन हो रहा है। जिसपर डीएम ने तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद औषधि निरीक्षक सिधेश्वर शुक्ल और वरिष्ठ लिपिक रविशंकर पाण्डेय पिलुई चट्टी पर स्थित खुशी मेडिकल स्टोर पर पहुंचे और रजिस्ट्रेशन एवं अन्य कागजातों की जांच की। जिसमें औषधि का लाइसेंस पाया गया। जो कमियां पाई गई उसकी जांच आख्या रिपोर्ट सहायक आयुक्त आजमगढ़ मंडल आजमगढ़ को प्रेषित किया जा रहा है।

वैक्सीन के बेहतर प्रबंधन के लिए डॉ शशि प्रकाश व स्पर्श राज हुए सम्मानित

केटी न्यूज/बलिया

कोविड टीकाकरण के साथ नियमित टीकाकरण में वैक्सीन के बेहतर रख-रखाव के लिए उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ शशि प्रकाश और वैक्सीन कोल्ड चैन मैनेजर स्पर्श राज को महानिदेशक परिवार कल्याण डॉ. रेनू श्रीवास्तव एवं मिशन निदेशक अर्पणा उपाध्याय ने बीते दिवस लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रतीक चिन्ह, सम्मान पत्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सीएमओ डॉ जयन्त कुमार ने बताया कि कोविड संक्रमण के दौरान केंद्रीय स्तर पर को-विन एप लांच किया था। इस एप में कोरोना वैक्सीन लगवाने वाले लाभार्थी के विषय में समस्त जानकारी भरी जाती थी। इसके बाद उसे स्लॉट मिलता था और टीका लगता था। ई-विन एई एप से कोरोना से संबंधित टीकें और नियमित टीकाकरण की वैक्सीन का रखरखाव और वितरण की स्थिति के बारे में सीधी मॉनीटरिंग की जाती है। सीएमओ ने कहा कि कोविड टीकाकरण एवं नियमित टीकाकरण में समस्त वैक्सीन के रख-रखाव में उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ शशि प्रकाश एवं वैक्सीन कोल्ड चैन मैनेजर स्पर्श राज ने अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाई।

शौचालय निर्माण के लिए 2.04 करोड़ की राशि स्वीकृत हो चुकी है, जल्द ही लाभार्थियों के खाते में भेजे जाएंगे रुपए

1700 लाभार्थियों के खाते में जल्द पहुंचेगी 2 करोड़ चार लाख की धनराशि

केटी न्यूज/बलिया

शासन की ओर से जनपद के गांवों को ओडीएफ करने पर जोर है। इसको देखते हुए गांवों में कई तरह के कार्य कराए जा रहे हैं। अब तक जनपद के सभी विकास खंडों में 1700 शौचालय विहीन परिवारों को चिह्नित किया गया है। इन परिवारों को शौचालय निर्माण के लिए 2.04 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है, जो जल्द ही लाभार्थियों के खाते में भेजी जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन के ओडीएफ प्लस टू में गांवों को साफ सुथरा करने के लिए कई तरह की योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

करीब चार वर्ष पहले जिले के गांवों को ओडीएफ घोषित करने के बाद अब शासन की ओर से ओडीएफ

प्लस टू संचालित की जा रही है। ओडीएफ प्लस गांव यानि कि ऐसा गांव जहां खुले में शौच पर पूर्ण पाबंदी हो और ग्राम पंचायत में कम से कम एक सामुदायिक शौचालय हो। इसके अलावा गांव के सभी घरों के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय, पंचायत घर और आंगनबाड़ी केंद्र में शौचालय की सुविधा होना जरूरी है। ओडीएफ प्लस टू के तहत जिले के 115 ग्राम पंचायतों के 179 राजस्व गांव चयनित हैं। इन गांवों के हर घर में शौचालय का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्ष 2022-23 में विभाग की ओर से 1700 शौचालय विहीन परिवारों को चिह्नित करते हुए शौचालय निर्माण के लिए संस्तुति की थी। इन लाभार्थियों के शौचालय निर्माण के लिए कुल 2.04 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हो चुकी है। अब लाभार्थियों के खाते में जल्द ही धनराशि भेजी जाएगी।

ओडीएफ प्लस में बन चुका है 22664 शौचालय : ओडीएफ के बाद शासन के निर्देश पर ओडीएफ प्लस के तहत छूटे परिवारों का सर्वे किया गया था और लाभार्थियों का एमआईएस किया गया था। शासन ने वर्ष 2021-22 में कुल 22664 शौचालय निर्माण का लक्ष्य दिया। समय-समय पर शासन की ओर से धनराशि जारी किया गया जो लाभार्थियों के खाते में पहुंचा। अब ओडीएफ प्लस टू के तहत कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

क्या बोले जिला समन्वयक : स्व्च्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक एसके ओझा ने बताया कि ओडीएफ प्लस टू के तहत गांवों को ओडीएफ करने के लिए कई योजनाएं संचालित हैं। इसके तहत आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत शौचालय निर्माण के लिए पात्र लाभार्थियों को धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।